

बजट: 2020-21**तालिका 1: बजट एक नजर में**

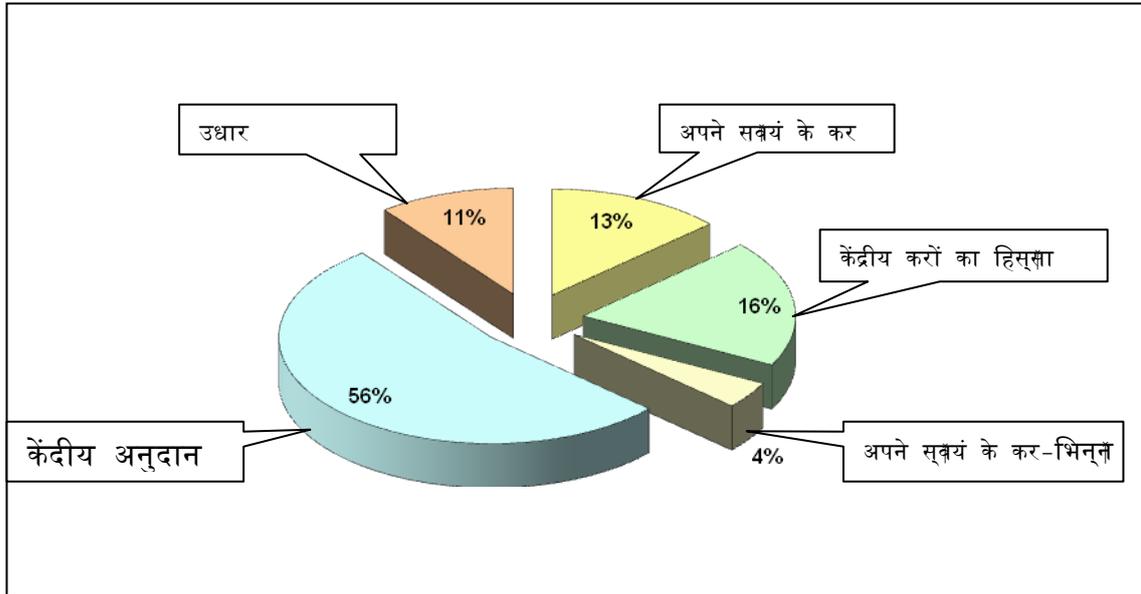
(करोड़ रु. में)

	मद	2018-19 (वास्तविक)	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान RE 2019-20 (7 माह) 1 अप्रैल से 30 अक्टूबर 2019 तक	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) 31 अक्टूबर से 31 मार्च, 2020	2020-21 (बजट अनुमान)
क.	राजस्व प्राप्तियां	51069	71193	27738	40498	91100
ख.	राजस्व व्यय	55894	58442	28171	31407	62664
	राजस्व अधिशेष (क-ख)	-4825	12751	-433	9091	28436
ग.	पूंजीगत प्राप्तियां	15939	13378	6393	5794	10329
घ.	पूंजीगत व्यय	11114	30469	5960	14885	38764
	पूंजीगत क/ग घाटा (ग-घ)	4825	-17091	433	-9091	-28435
ड.	कुल व्यय	67008	88911	34131	46292	101428
च.	कुल प्राप्तियां	67008	84571	34131	46292	101428
छ.	राजकोषीय घाटा	13303	13996	6424	2191	10240
ज.	गैर-वित्तोषित /अपेक्षित अतिरिक्तय संसाधन	0	4340	0	0	0

'-' चिह्न घाटे को दर्शाता है

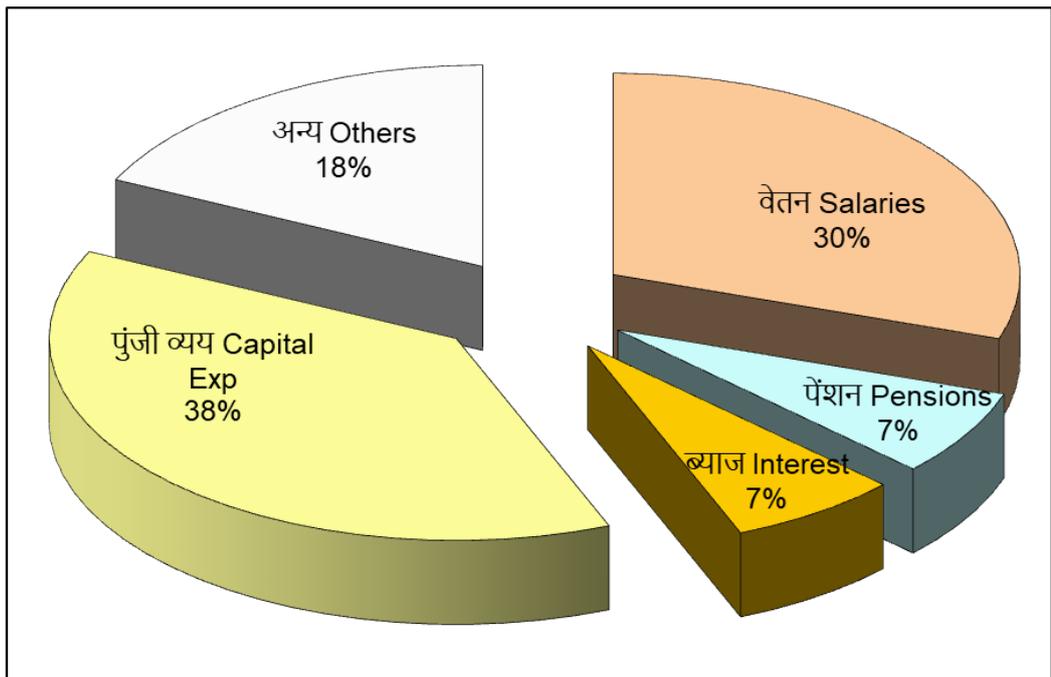
रु. : जहां से आता है।
(2020-21)

ग्राफ : 1



रु. : जहां जाता है।
(2020-21)

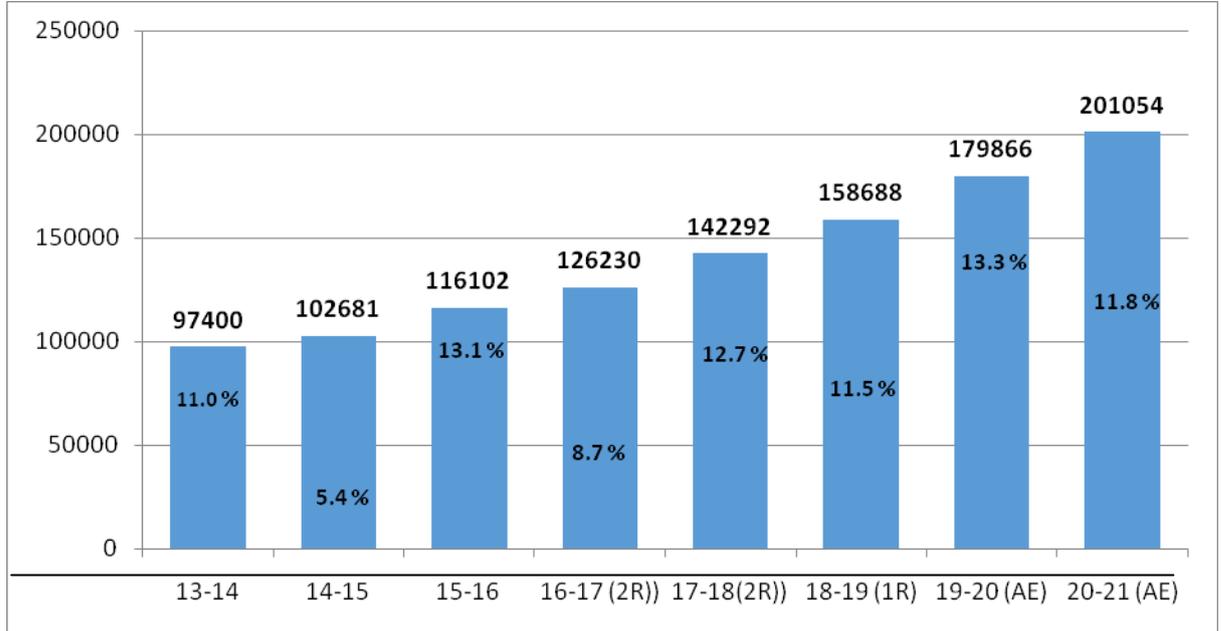
ग्राफ: 2



आर्थिक विकास मौजूदा मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद

ग्राफ : 3

(करोड़ रु. में)

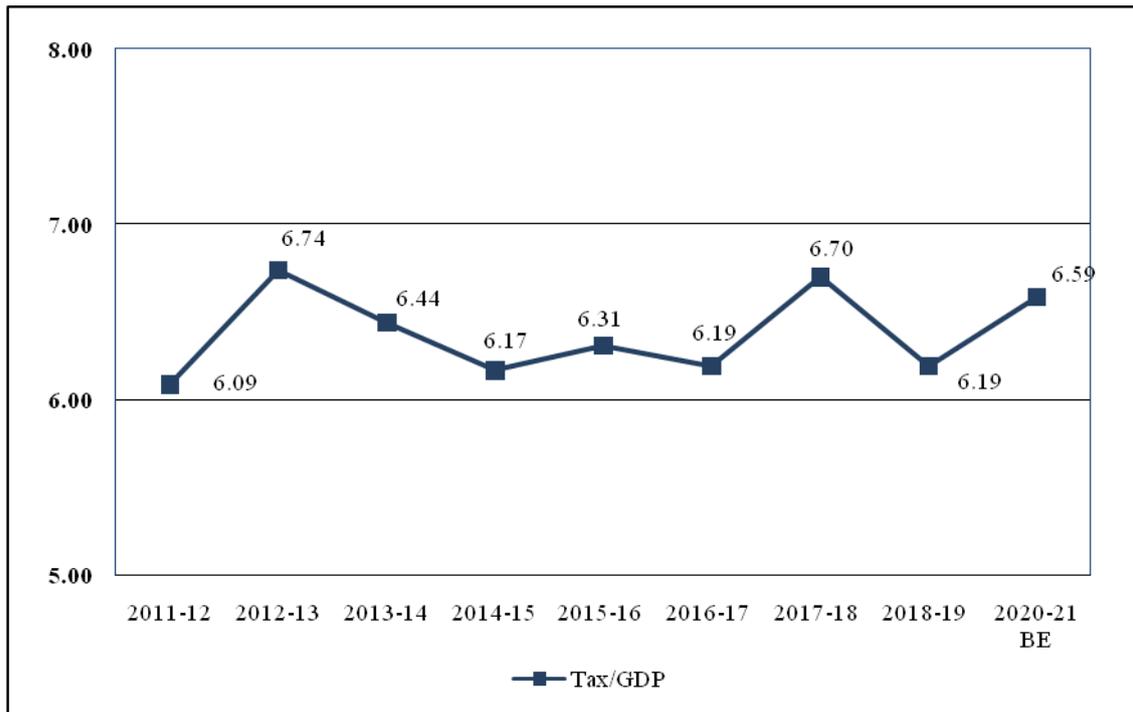


(कोषों में वृद्धि के % की गणना आधार वर्ष 2011-12 पर की गई है)
 1आर = 1st रिवाइज्ड एस्टिमेंटस ; 2आर = 2nd रिवाइज्ड एस्टिमेंटस; एई = एडवांस एस्टिमेंटस; प्रोज. = प्रोजेक्टेड

कर और राजस्व -करभार और कुशलता

ग्राफ: 4

एसओआर %जीडीपी



तालिका-2 बजट : आधारभूत विवरण

(करोड़ रुपए में)

मद	2018-19 (वास्तविक)	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान 2019-20 (7 माह) 01 अप्रैल से 03 अक्टूबर, 2019 तक	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) 31 अक्टूबर से 31 मार्च, 2020 तक	2020-21 (बजट अनुमान)
राजस्व प्राप्तियां (i+ii+iii+iv+v)	51069	71193	27738	40498	91100
i. स्त्रयं का कर राजस्व	9826	12932	6327	6894	13241
ii. कर-भिन्न राजस्व	4188	6066	1036	3432	4065
iii. केंद्रीय करों का हिस्सा	13990	15000	6762	5462	15200
iv. केंद्र से प्राप्त संसाधन	23065	37145	13513	23710	54594
v. अतिरिक्त संसाधन जुटाना (एमआरएम)	0	50	100	1000	4000
कुल राजस्व व्यय	55894	58442	28171	31407	62664
व्याज का भुगतान	5173	6941	1737	1806	6891
सीएसएस	2512	3000	581	2840	3009
कुल पूंजीगत प्राप्तियां	15939	13378	6393	5794	10329
i. उधार	7877	9100	4008	4828	7917
ii. भविष्य निधि की अनु देयताएं (निवल)	5288	2056	2416	863	2323
iii. विविध, ऋण भिन्न सृजन	2770	67	-31	98	84
iv. ऋण और अग्रिम की वसूली	4	2155	0	5	5
कुल पूंजीगत व्यय	11114	30469	5960	14885	38764
i. पूंजीगत व्यय	8088	23129	3379	9800	28565
जिसमें से अदायगियां	2632	2106	1023	1027	4248
ii. सीएसएस	3026	7340	2581	5085	10199
कुल व्यय	67008	88911	34131	46292	101428
i. राजस्व व्यय	55894	58442	28171	31407	62664
ii. पूंजीगत व्यय	8088	23129	3379	9800	28565
iii. सीएसएस कपेक्ष	3026	7340	2581	5085	10199
कुल प्राप्तियां	67008	84571	34131	46292	101428
i. राजस्व प्राप्तियां	51069	71193	27738	40498	91100
ii. पूंजीगत प्राप्तियां *	15939	13378	6393	5794	10329
राजस्व अधिशेष	-4825	12751	-433	9091	28436
नैर वित्त पोषित/अपेक्षित अतिरिक्त संसाधन	0	4340	0	0	0
राजकोषिय घाटा	13303	13996	6424	2191	10240

* 05 माह 2019-20 (31 अक्टूबर, 2019, 31 मार्च, 2020) के लिए 3500 करोड़ रुपए के पॉवर बॉन्डस शामिल हैं।

तालिका- 3: राजस्व प्राप्ति

(करोड़ रुपए में)

मद	2018-19 (वास्तविक)	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान 2019- 20 (7 माह) 01 अप्रैल से 30 अक्टूबर, 2019 तक	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) 31 अक्टूबर से 31 मार्च, 2020 तक	2020-21 (बजट अनुमान)
राजस्व प्राप्ति (I+II)	51069	71143	27638	39498	91100
I. केंद्र से कुल अनुदान	37055	52145	20275	29172	69794
i. केंद्रीय करों का हिस्सा	13990	15000	6762	5462	15200
ii. केंद्र से प्राप्त संसाधन	23065	37145	13513	23710	54594
II. अपने स्वयं के संसाधन (1+2+3)	14014	18998	7363	10326	21306
1. स्वयं के कर राजस्व	9826	12932	6327	6894	13241
a. जीएसटी	5134	8050	4494	3557	9242
b. बिक्री कर	1757	1400	749	751	1500
c. उत्पाद शुल्क एवं पथ कर	2151	2450	657	1793	1838
d. अन्य	784	1032	427	793	661
2. जिसमें से कर भिन्न राजस्व	4188	6066	1036	3432	4065
व्याज प्राप्ति	21	2	0	2	2
विद्युत प्राप्ति	2034	5343	909	2400	3000
3. अतिरिक्त संसाधन जुटाना (एआरएम)	-	50	100	1000	4000

तालिका 4: राजस्व प्राप्तियां और व्यय : संरचना

(करोड़ रुपए)

	मद	2018-19 (वास्तविक)	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान 2019- 20 (7 माह) 01 अप्रैल से 30 अक्टूबर, 2019 तक	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) 31 अक्टूबर से 31 मार्च, 2020 तक	2020-21 (बजट अनुमान)
क.	राजस्व व्यय	55894	58442	28171	31407	62664
	i. ब्याज	5173	6941	1737	1806	6891
	ii. विद्युत खरीद/देयता/सब्सिडी	1200	7700	3516	0	0
	iii. रखरखाव/मरम्मत/सामग्री और आपूर्तियां	636	764	551	698	1387
	iv. सहायता अनुदान	3317	3722	661	6933	6979
	iv. सीएसएस	2512	3000	581	2840	3009
ख.	प्राथमिक राजस्व व्यय	50721	51501	26434	29601	55773
	i. वेतन	24150	26000	14444	12346	30573
	ii. पेंशन	7518	6380	3790	3100	7045
	iii. अन्य	19053	19121	8200	14155	18155

तालिका 5: पूंजीगत प्राप्तियां

(करोड़ रुपए में)

	मद	2018-19 (वास्तविक)	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान 2019-20 (7 माह) 1 अप्रैल से 30 अक्टूबर, 2019	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) अक्टूबर से 31 मार्च, 2020 तक	2020-21 (बजट अनुमान)
	पूंजीगत प्राप्तियां	15939	13378	6393	5794	10329
	1. परक्राम्य ऋण	402	800	125	675	800
	2. बाजार उधार	7475	6800	3883	653	7117
	4. विविध, ऋण भिन्न राशि जुटाना	2770	67	-31	98	84
	5. ऋणों और अग्रिमों की वसूली	4	2155	0	5	5
	6. भविष्य निधि (निवल)	5288	2056	2416	863	2323
	7. पॉवर बॉन्ड्स/यूडीएवाई बॉन्ड्स	0	1500	0	3500	0

तालिका 6: पूंजीगत व्यय

(करोड़ रुपए में)

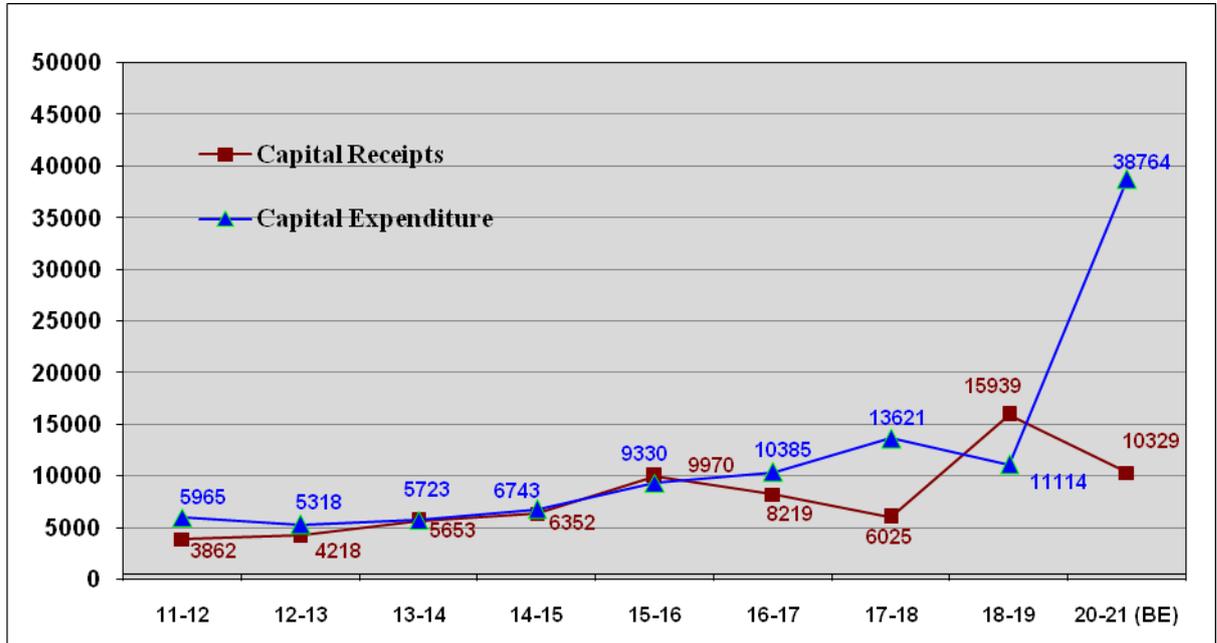
मद	2018-19 (वास्तविक)	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान 2019- 20 (7 माह) 1 अप्रैल से 30 अक्टूबर, 2019	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) अक्टूबर से 31 मार्च, 2020 तक	2020-21 (बजट अनुमान)
पूंजीगत व्यय	11114	30469	5960	14885	38764
i. नियमित* जिला/पीएमडीपी (तामिर) कपैक्स	5387	14073	1810	7044	20931
ii. ऋण और अग्रिम	69	72	12	87	108
iv. ऋण की अदायगी	2632	2106	1023	0	0
v. इक्विटी और निवेश	0	4056			
vii. सीएसएस	3026	7340	2581	0	0
viii. अन्य#	0	2822	534	7754	17725
घाटा/पूंजीगत लेखेमय अधिशेष	4825	-17091	433	-9091	-28435

*नियमित कपैक्स में पीएमडीपी (टीएएमईआईआर) और पीएमआईपी भी शामिल हैं।
वर्ष 2018-19 के लिए अन्य के अंतर्गत वास्तविक आंकड़े नियमित कपैक्स का भाग हैं।

पूंजीगत प्राप्तियां बनाम पूंजीगत व्यय

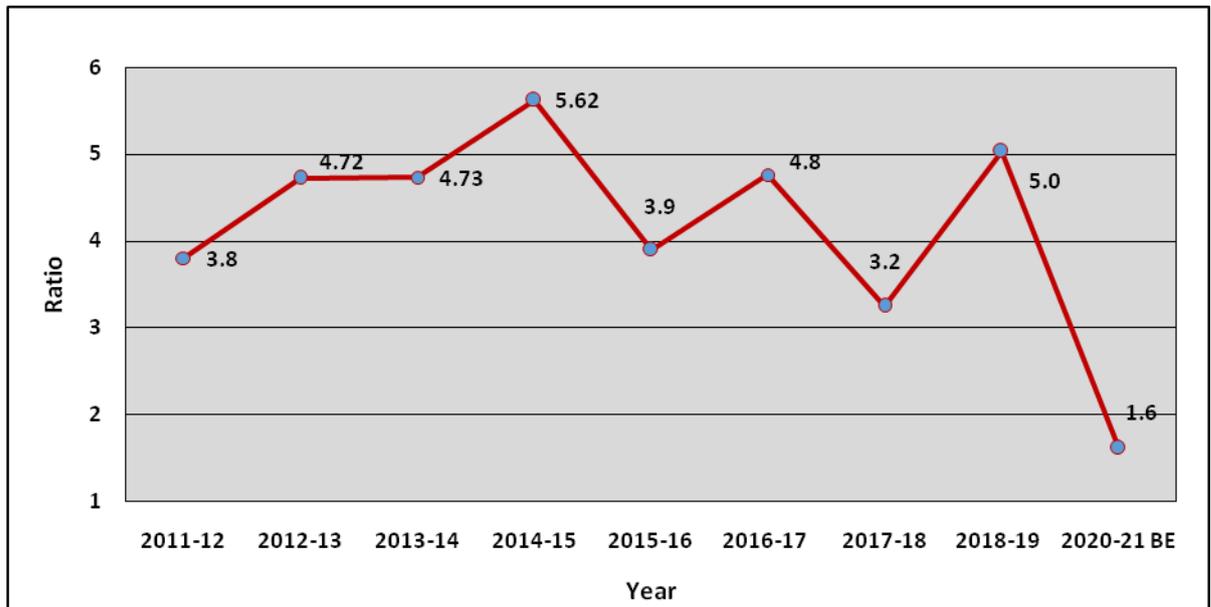
ग्राफ: 5

(करोड़ रुपए में)



केपैक्स के प्रतियूनिट पर राजस्व व्यय

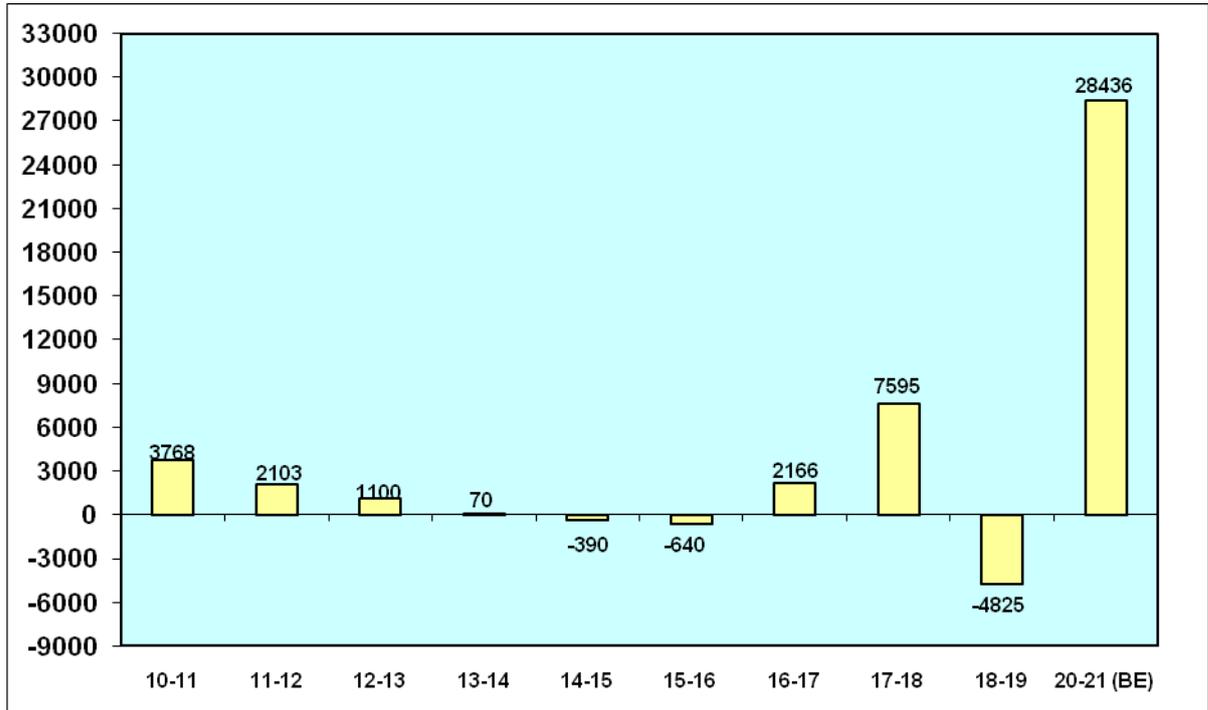
ग्राफ: 6



पूँजीगत व्यय के लिए उपलब्ध राजस्व अधिशेष

ग्राफ: 7

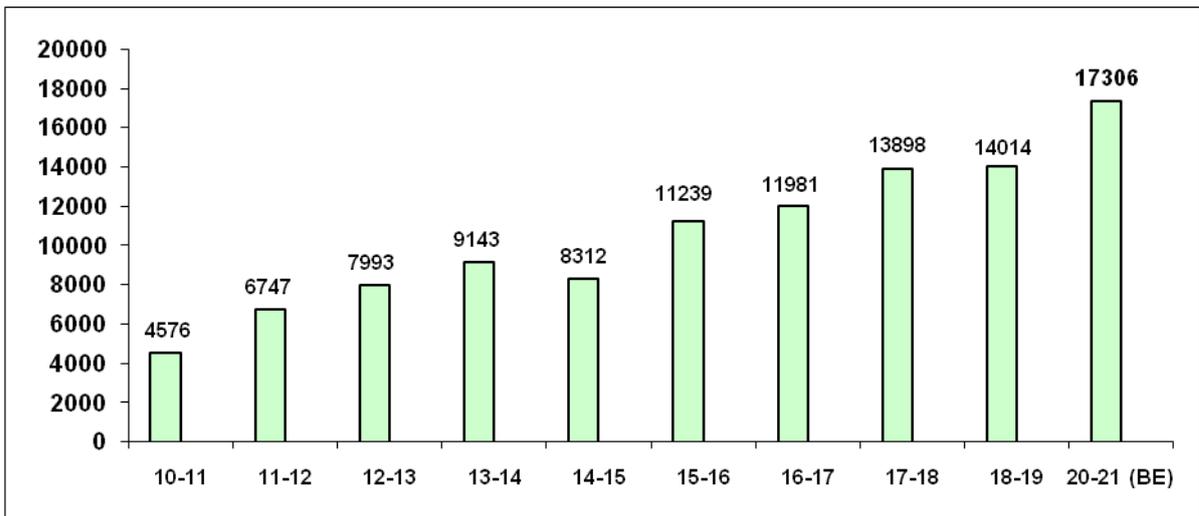
(करोड़ रूपए में)



अपने स्वयं के राजस्व में वृद्धि
(कर+कर-भिन्न)

ग्राफ: 8

(करोड़ रूपए में)



**तालिका 7: केंद्र से सांख्यिक प्रवाह
(2019-20 और 2020-21)**

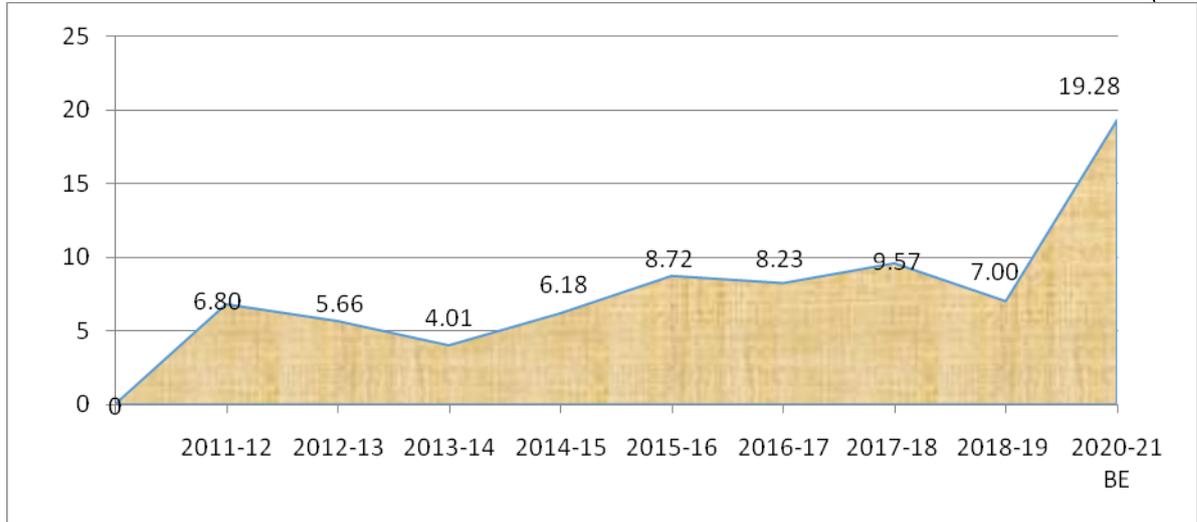
(करोड़ रुपए में)

	2019-20 (बजट अनुमान)	संशोधित अनुमान 2019- 20 (7 माह) 1 अप्रैल से 30 अक्टूबर, 2019 तक	बजट अनुमान 2019-20 (5 माह) 31 अक्टूबर से 31 मार्च, 2020 तक	2020-21 (बजट अनुमान)
(A) अनुदानों की हकदारी	33422	16989	12648	33695
i. केंद्रीय करों का हिस्सा	15000	6762	5462	15200
ii. राजस्व घाटे के लिए अनुदान	14142	8250	4125	14030
iii. एसडीआरएफ/एनडीआरएफ	279	405	98	279
iv. एसआरई	1775	178	2042	2698
v. अन्य केंद्रीय योजनाएं	238	1	414	240
vii. एफसी अनुदान जिनमें से	1988	1394	508	1248
क. पीआरआई	1422	1220	300	935
ख. यूएलबी	566	174	208	313
(B) अन्य अनुदान	18723	3286	16524	36099
i. प्रधानमंत्री विकास कार्यक्रम (टीएएमईआईआर)	8383	0	5612	10989
ii. पीएमआईपी	0	0	0	6000
iii. सीएसएस	10340	3286	7912	14610
iv. भत्तों के लिए अनुदान	0	0	3000	4500
कुल (ए+बी)	52145	20275	29172	69794

निवेश की दर

ग्राफ: 9

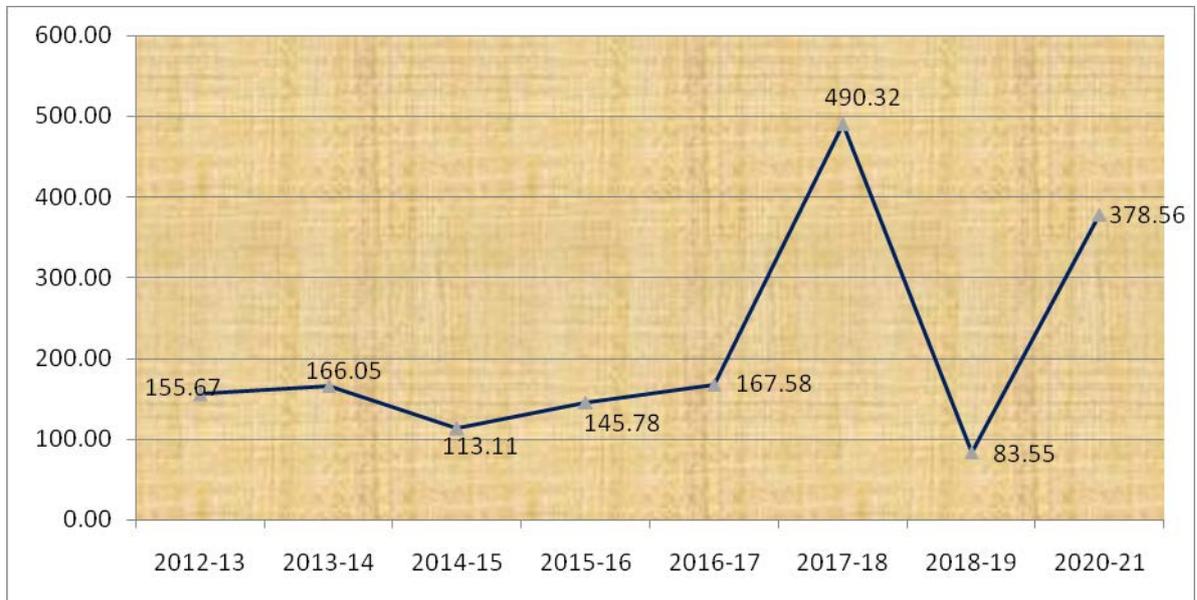
जीडीपी के प्रतिशत के रूप में केपैक्स



राजकोषीय घाटे का उपयोग

ग्राफ: 10

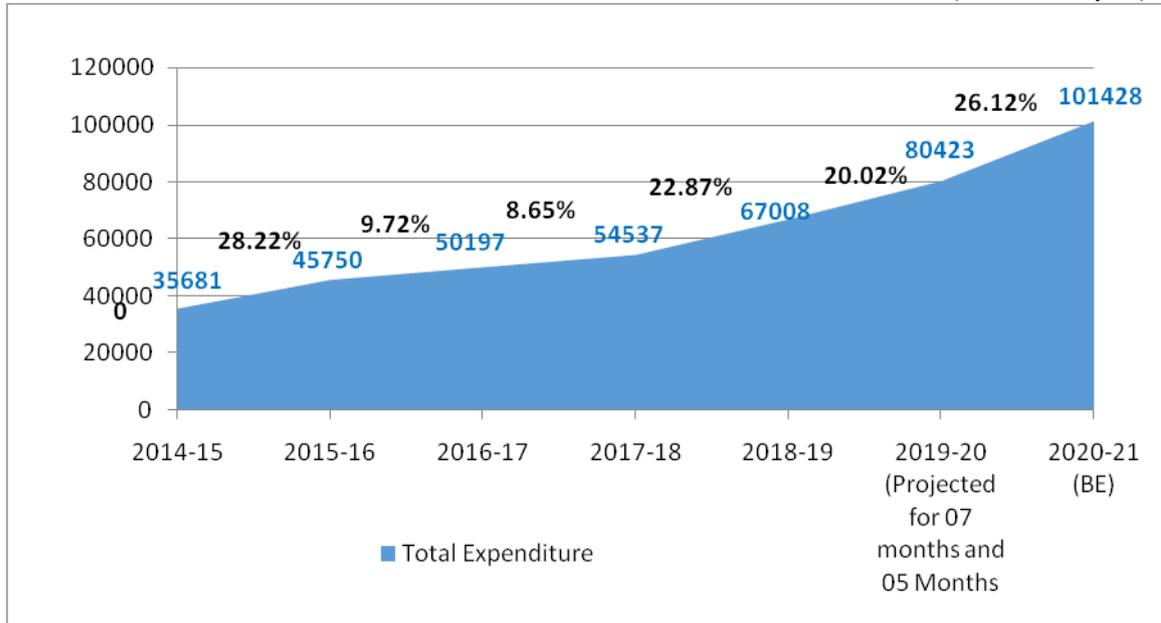
राजकोषीय घाटे के प्रतिशत के रूप में केपैक्स



व्यय की प्रवृत्ति

ग्राफ: 11

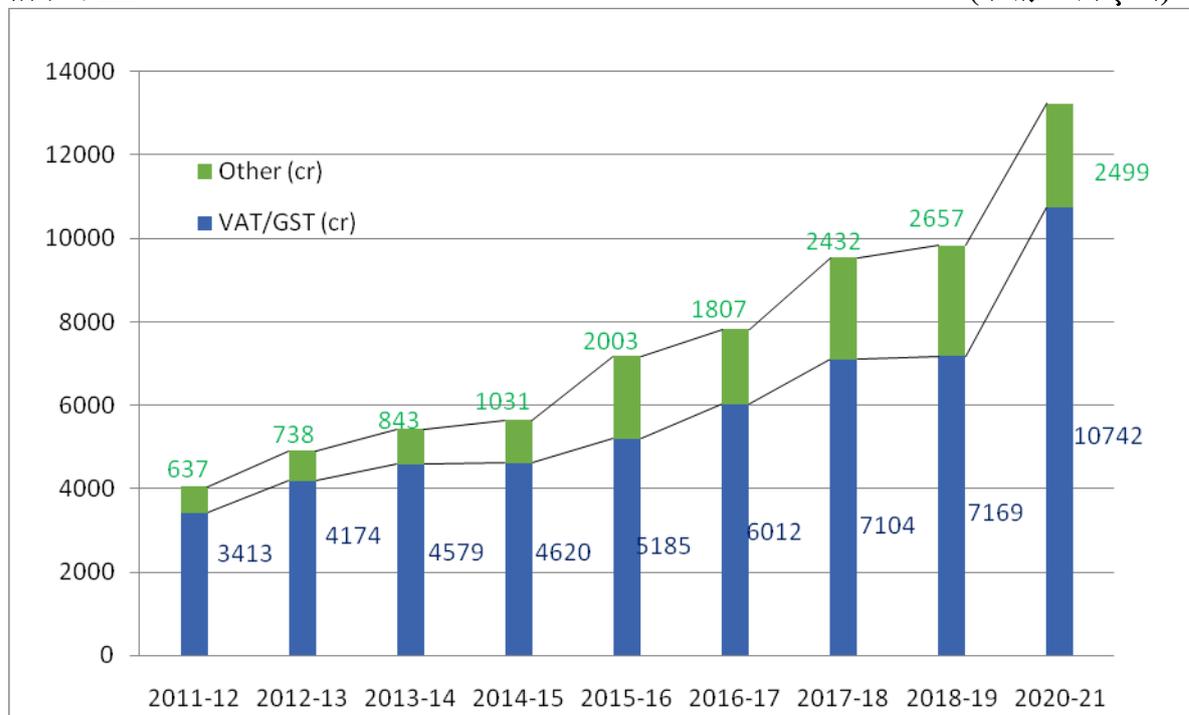
(करोड़ रुपए में)



कर राजस्व : प्रवृत्तियां

ग्राफ : 12

(करोड़ रुपए में)



पूँजीगत व्यय का वित्तपोषण

ग्राफ: 13

(करोड़ रुपए में)



तालिका 8: सेक्टर-वार राजस्व व्यय

(करोड़ रुपए में)

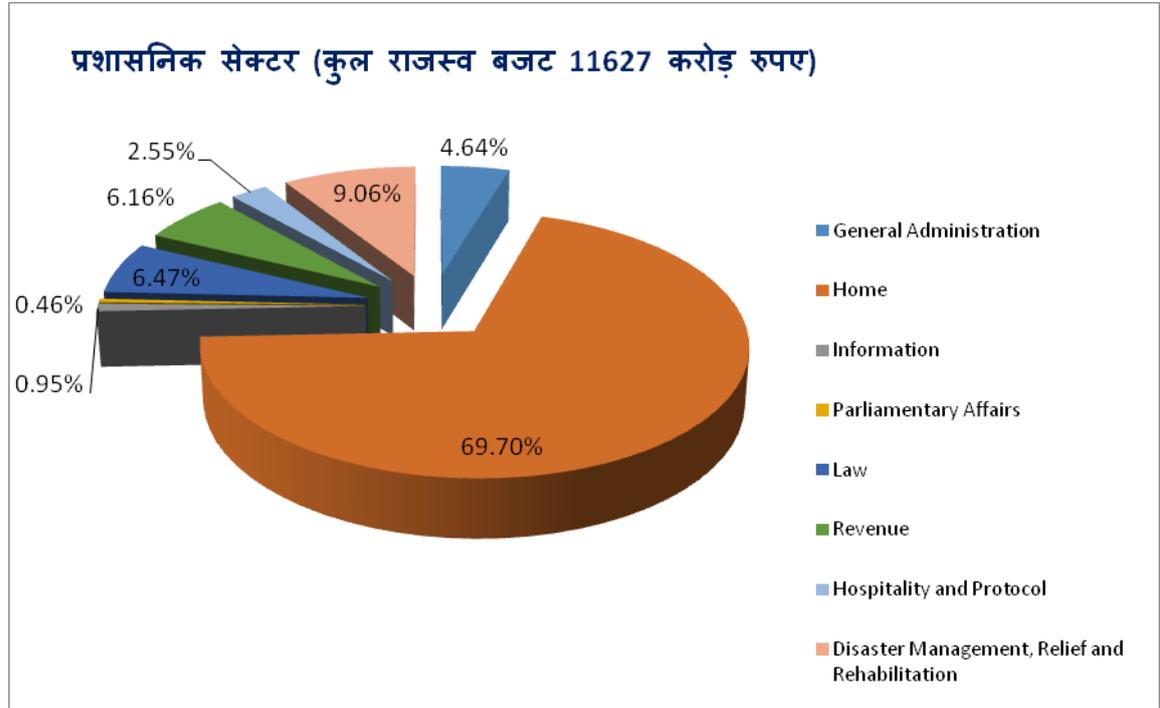
मांग सं.	विभाग	बजट अनुमान 2019-20	संशोधित अनुमान 2019-2020 1 अप्रैल, 2019 - 30 अक्टूबर, 2019	बजट अनुमान 2019-2020 31 अक्टूबर, 2019 - 31 मार्च, 2020	बजट अनुमान 2020-21	2019-20 से (7 व 5 दोनों महीने) 2020-21 तक प्रतिशत वृद्धि
01	प्रशासनिक सेक्टर					
01	सामान्य प्रशासन	419	225	219	540	21.58
02	गृह	6581	3761	3684	8104	8.85
04	सूचना	80	37	57	111	18.37
09	संसदीय कार्य	59	23	18	54	32.51
10	विधि	491	734	632	752	-44.94
14	राजस्व	638	347	210	716	28.45
24	आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल	224	138	135	297	8.97
33	आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास	737	294	413	1053	48.80
	कुल प्रशासनिक सेक्टर	9228	5560	5368	11627	6.40
02	सामाजिक सेक्टर					
07	शिक्षा	9678	3598	5412	11126	23.49
15	खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोगता मामले	202	105	193	314	5.38
17	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा	3713	2216	2170	4901	11.74
18	सामाजिक कल्याण	1730	645	1467	2023	-4.21
25	स्वच्छता एवं प्रिंटिंग/ श्रम एवं रोजगार	92	60	64	130	4.25
27	उच्चतर शिक्षा	1032	547	679	1440	17.51
30	जनजातीय कार्य	60	24	40	105	65.08
31	संस्कृति	65	31	31	69	11.38
34	यूवा सेवाएं एवं तकनीकी शिक्षा	477	345	276	738	18.86
	कुल सामाजिक सेक्टर	17050	7571	10331	20846	16.45
03	अवसंरचना सेक्टर					
06	विद्युत विकास	8785	4132	5661	3969	-59.47
16	लोकनिर्माण कार्य	862	620	358	1107	13.13
19	आवास एवं शहरी विकास	732	306	364	1026	53.04

22	सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	718	481	256	910	23.48
23	जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग	1512	1081	632	1888	10.23
35	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	14	7	6	18	35.21
	कुल अवसंरचना सेक्टर	12623	6628	7277	8918	-35.87
04	आर्थिक सेक्टर					
05	लहाख मामले	803	539	0	0	-100.00
11	उद्योग एवं वाणिज्य	368	221	171	468	19.36
12	कृषि उत्पादन	1531	410	710	1386	23.81
13	पशु/भेड़पालन	624	310	295	728	20.50
20	पर्यटन	137	64	136	248	24.03
21	वन	786	424	498	1245	34.98
26	मत्स्य पालन	94	50	43	99	6.58
28	ग्रामीण विकास	439	261	311	955	67.09
29	परिवहन	67	32	64	115	19.43
32	बागवानी	170	68	78	210	44.45
36	सहकारिता	72	29	42	87	22.40
	कुल आर्थिक सेक्टर	5091	2407	2347	5541	16.54
05	वित्तीय सेक्टर					
03	योजना, विकास एवं मॉनीटरिंग	94	57	47	127	21.73
08	वित्त	14416	5949	6036	15605	30.20
	कुल वित्तीय सेक्टर	14509	6005	6084	15731	30.13
	कुल जोड़	58502	28171	31407	62664	5.18

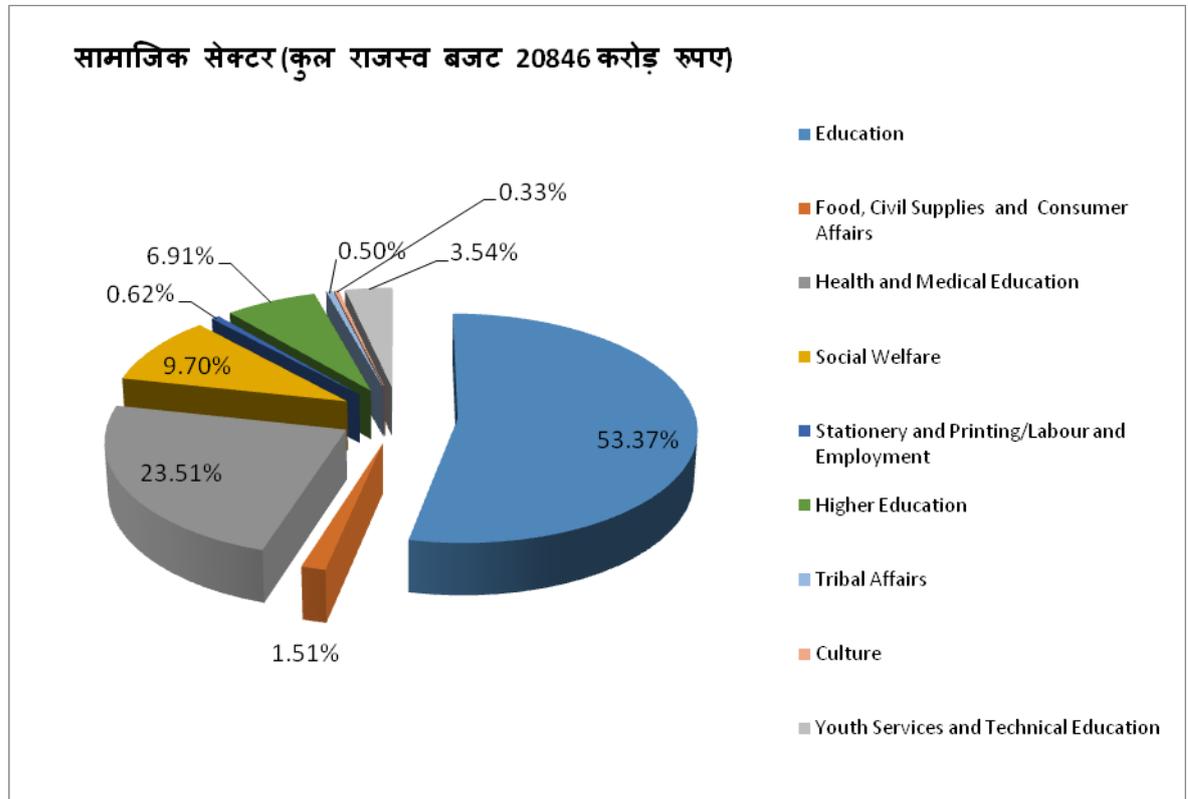
‘-’ चिह्न कमी को दर्शाता है।

सेक्टर-वार राजस्व व्यय

ग्राफ: 14

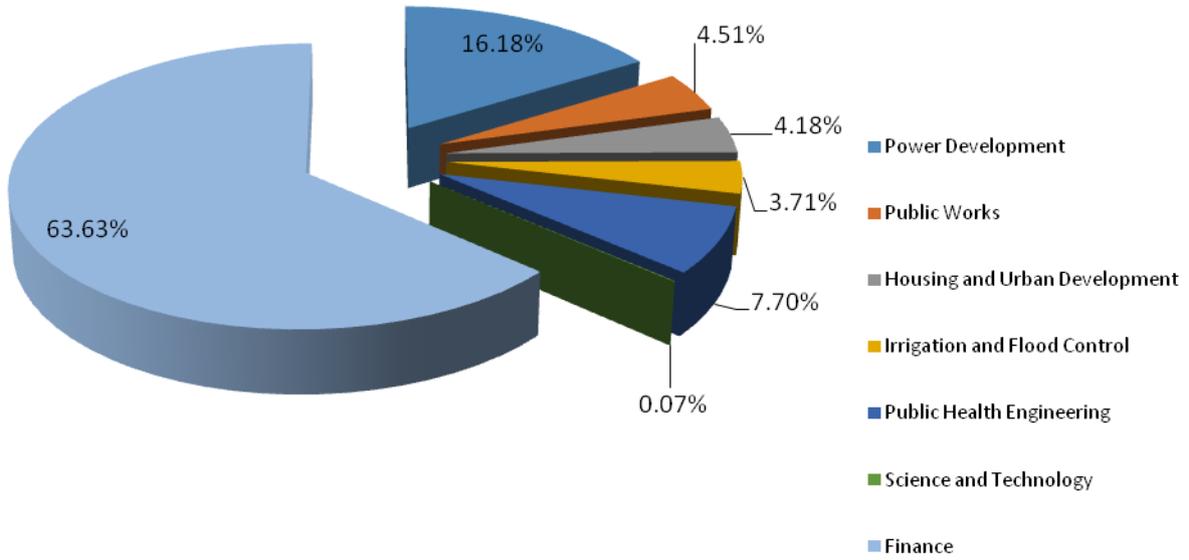


ग्राफ : 15



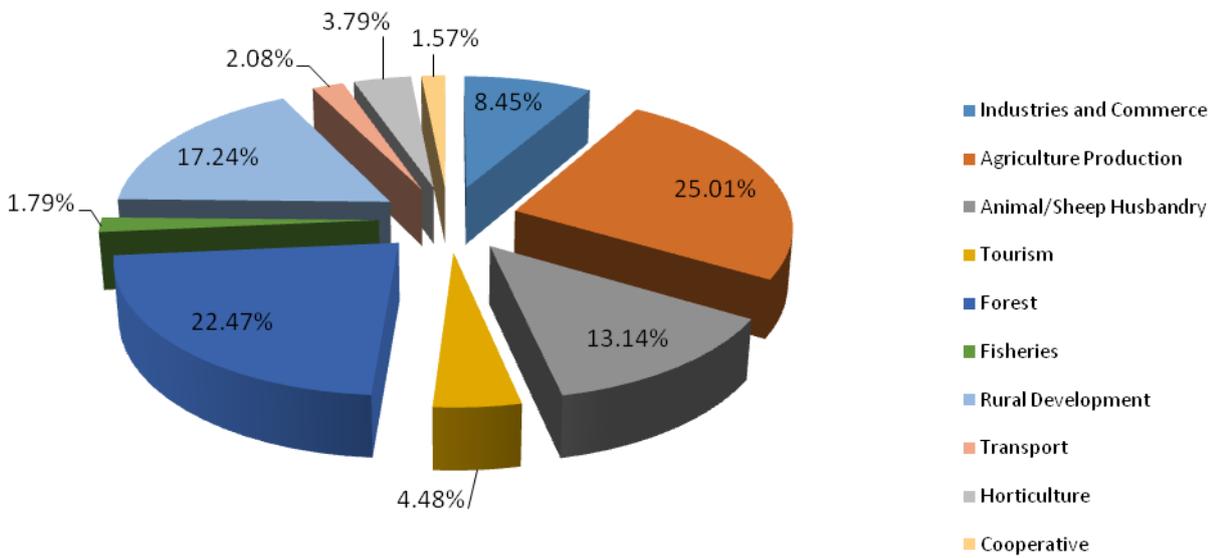
ग्राफ: 16

अवसंरचना सेक्टर (कुल राजस्व बजट 24523 करोड़ रुपए)



ग्राफ: 17

आर्थिक सेक्टर (कुल राजस्व बजट 5541 करोड़ रुपए)



तालिका 9: सेक्टर-वार पूंजीगत व्यय

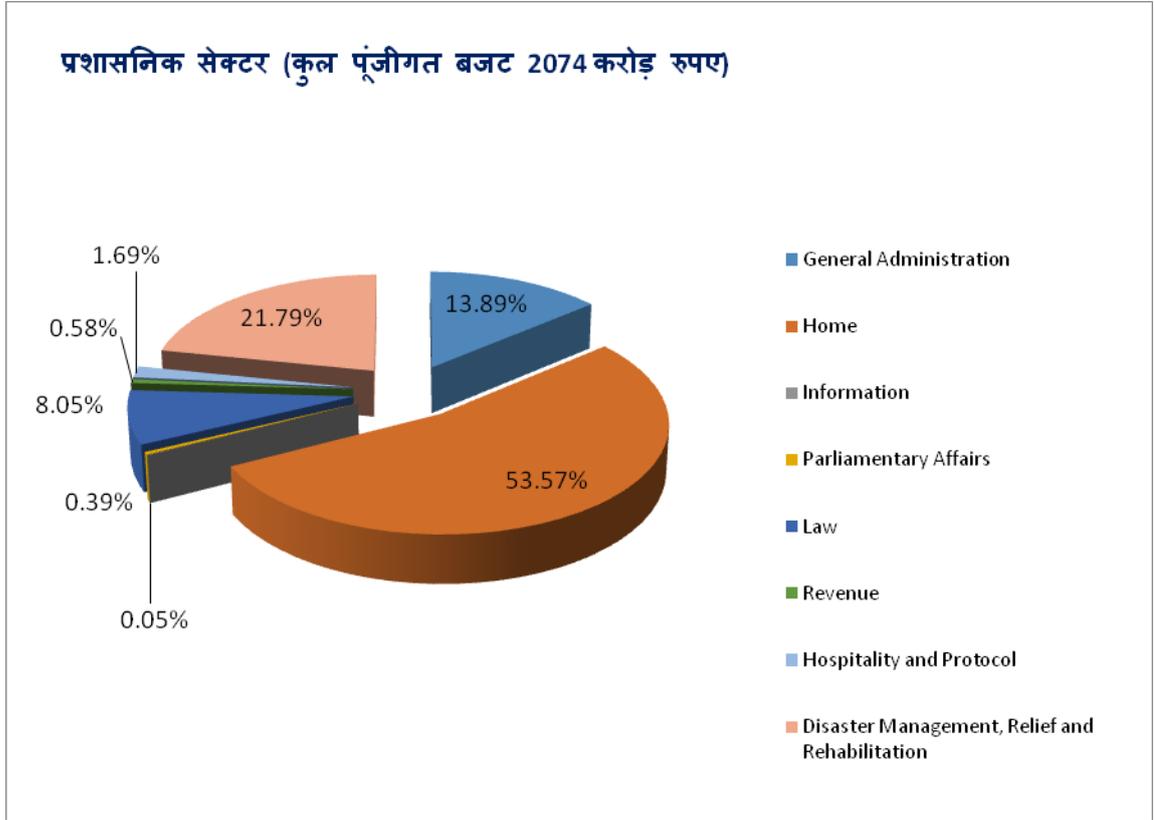
(करोड़ रुपए में)

मांग सं.	विभाग	बजट अनुमान 2019-20	संशोधित अनुमान 2019-2020 1 अप्रैल, 2019 - 30 अक्टूबर, 2019	बजट अनुमान 2019-2020 31 अक्टूबर, 2019 - 31 मार्च, 2020	बजट अनुमान 2020-21	2019-20 से (7 व 5 दोनों महीने) 2020-21 तक प्रतिशत वृद्धि
01	प्रशासनिक सेक्टर					
01	सामान्य प्रशासन	47	7	123	288	122.62
02	गृह	1216	370	661	1111	7.79
04	सूचना	1	0.50	1	1	-8.00
09	संसदीय कार्य	2	2	2	8	158.06
10	विधि	88	33	41	167	123.38
14	राजस्व	13	5	13	12	-31.59
24	आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल	43	8	62	35	-50.20
33	आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास	526	0	152	452	197.67
	कुल प्रशासनिक सेक्टर	1936	425	1055	2074	40.19
02	सामाजिक सेक्टर					
07	शिक्षा	1128	52	769	1030	25.53
15	खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोगता मामले	309	35	260	412	39.57
17	स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा	735	61	793	1268	48.48
18	सामाजिक कल्याण	300	6	132	294	113.20
25	स्वच्छता एवं प्रिंटिंग/ श्रम एवं रोजगार	55	24	46	58	-17.93
27	उच्चतर शिक्षा	220	128	108	1362	477.78
30	जनजातिया कार्य	66	15	86	163	60.59
31	संस्कृति	16	2	14	129	711.16
34	यूवा सेवाएं एवं तकनीकी शिक्षा	226	3	49	253	382.36
	कुल सामाजिक सेक्टर	3055	327	2257	4969	92.31
03	अवसंरचना सेक्टर					
06	विद्युत विकास	3891	198	1536	3523	103.16

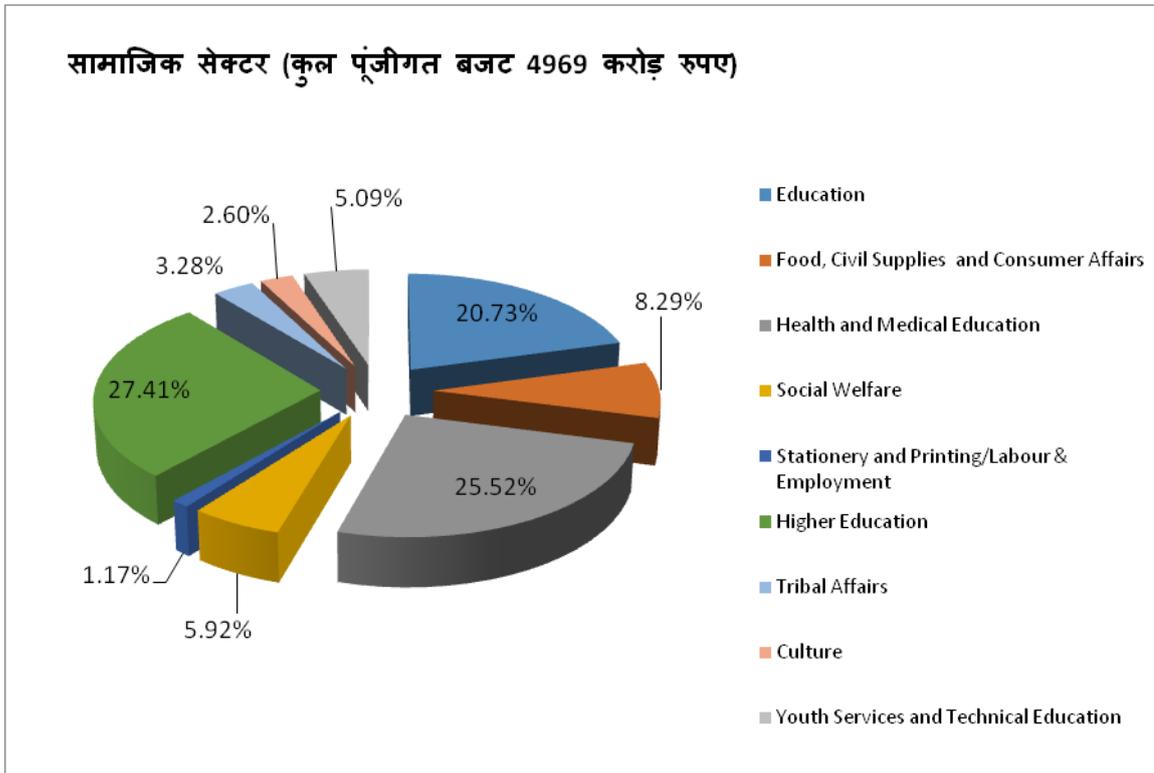
16	लोकनिर्माण कार्य	2354	804	1483	2968	29.79
19	आवास एवं शहरी विकास	1694	209	616	2053	148.89
22	सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	1539	117	595	1560	119.08
23	जन स्वास्थ्य इंजीनियरिंग	658	263	879	705	-38.29
35	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	415	1	31	148	362.44
	कुल अवसंरचना सेक्टर	10552	1592	5140	10957	62.76
04	आर्थिक सेक्टर					
05	लहाख मामले	352	119	0	0	-100.00
11	उद्योग एवं वाणिज्य	267	40	488	494	-6.47
12	कृषि उत्पादन	877	48	319	1292	251.95
13	पशु/भेड़पालन	114	40	132	369	115.18
20	पर्यटन	430	106	259	577	57.94
21	वन	137	74	99	1061	511.97
26	मत्स्य पालन	15	2	26	92	230.78
28	ग्रामीण विकास	3331	2682	2010	5284	12.62
29	परिवहन	44	8	114	188	54.83
32	बागवानी	315	8	387	580	46.79
36	सहकारिता	4	1	4	15	195.86
	कुल आर्थिक सेक्टर	5886	3127	3838	9952	42.87
05	वित्तीय सेक्टर					
03	योजना, विकास एवं मॉनीटरिंग	2891	425	930	1365	0.76
08	वित्त	4721	64	1666	9447	446.07
	कुल वित्तीय सेक्टर	7612	489	2596	10812	250.50
	कुल जोड़	29041	5960	14885	38764	85.96

सेक्टर-वार पूंजीगत व्यय

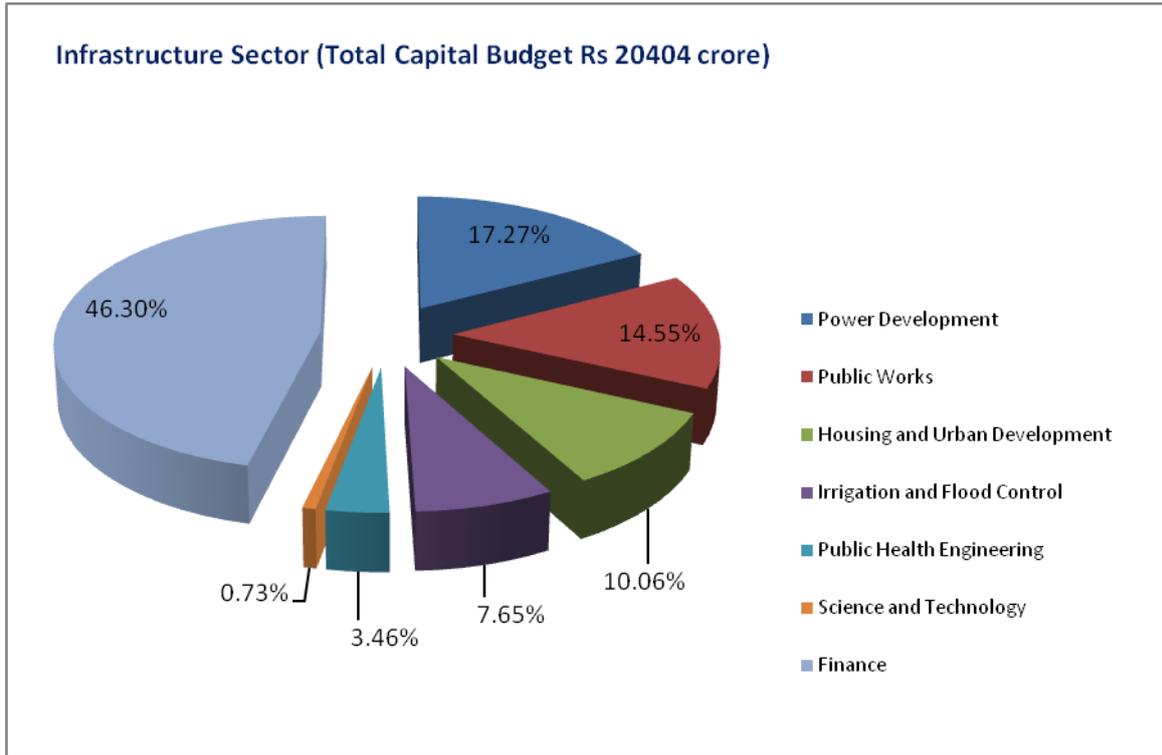
ग्राफ: 18



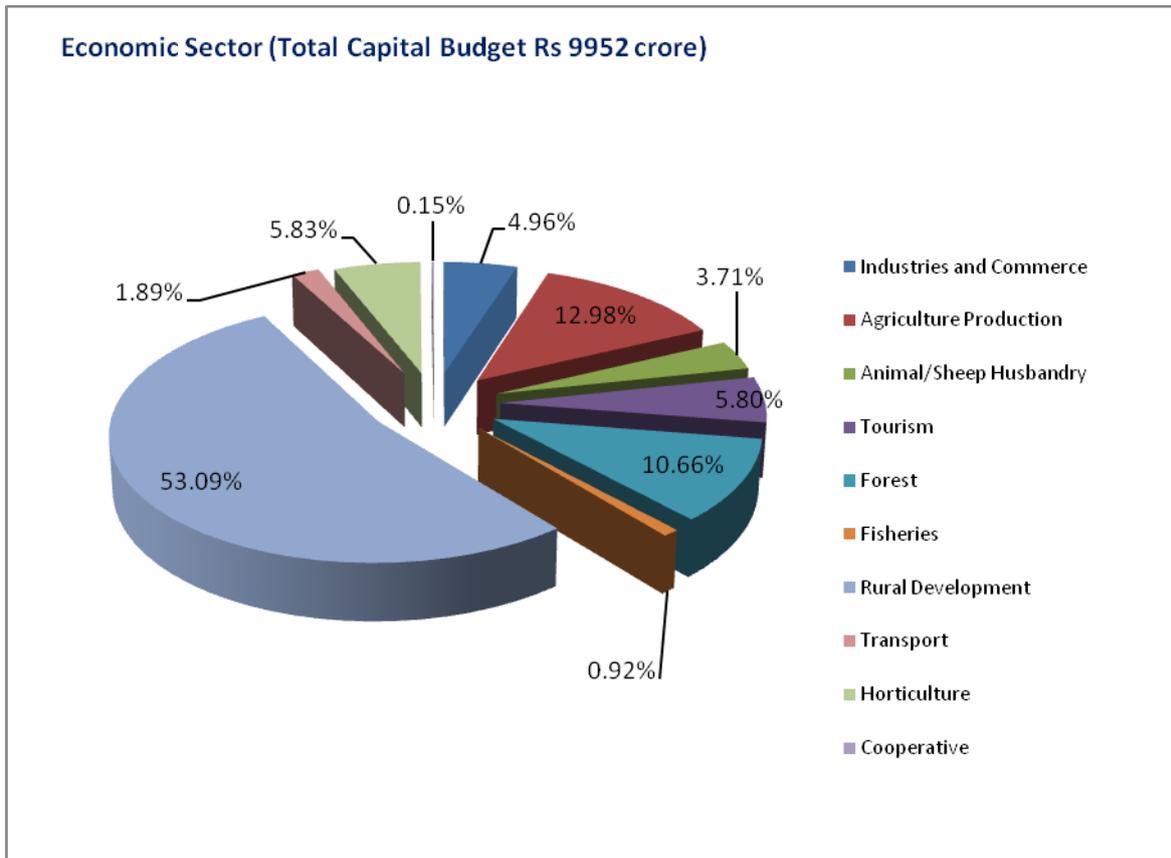
ग्राफ: 19



ग्राफ: 20



ग्राफ: 21

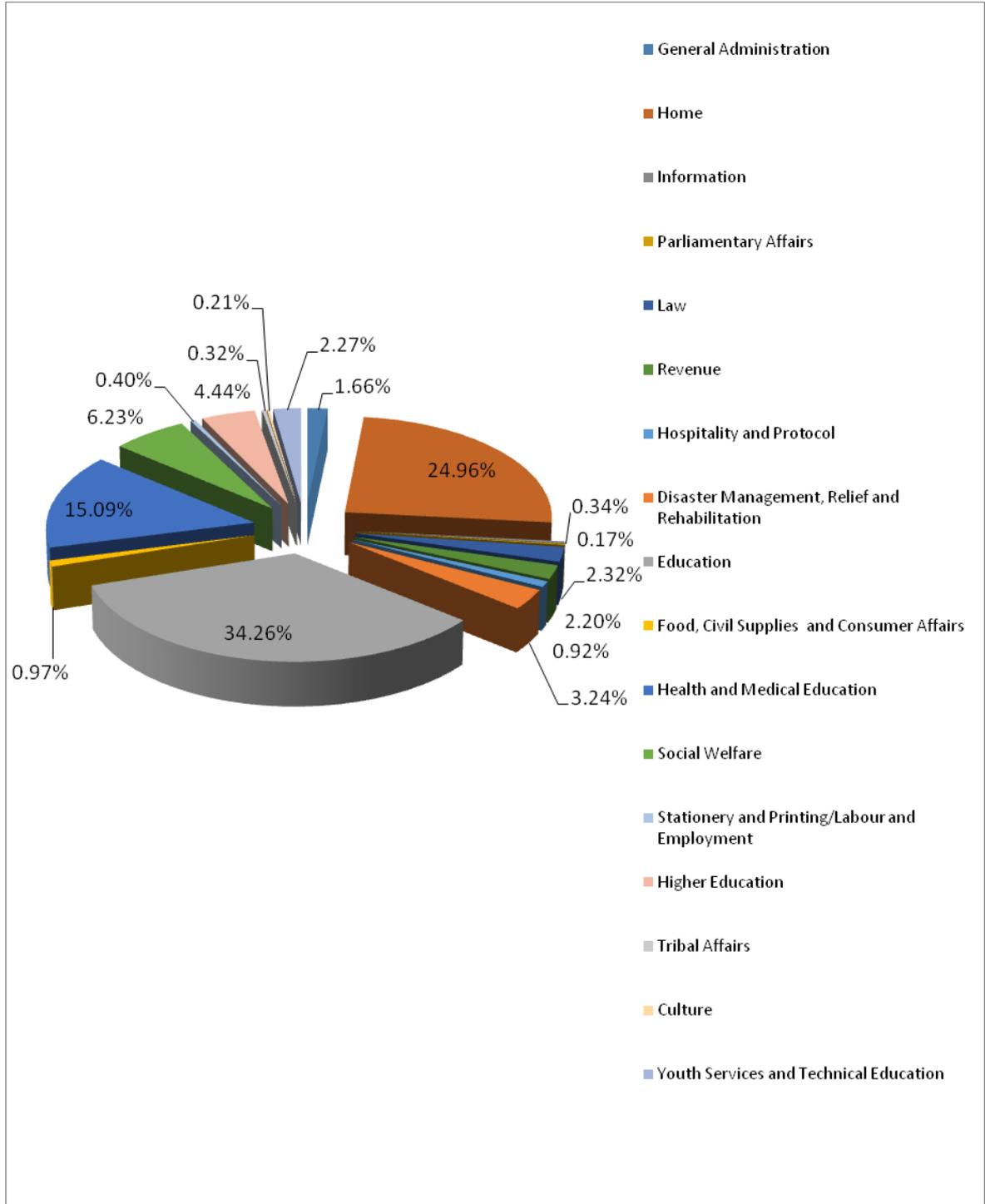


विभाग-वार समग्र राजस्व व्यय

प्रशासनिक और सामाजिक सेक्टर:

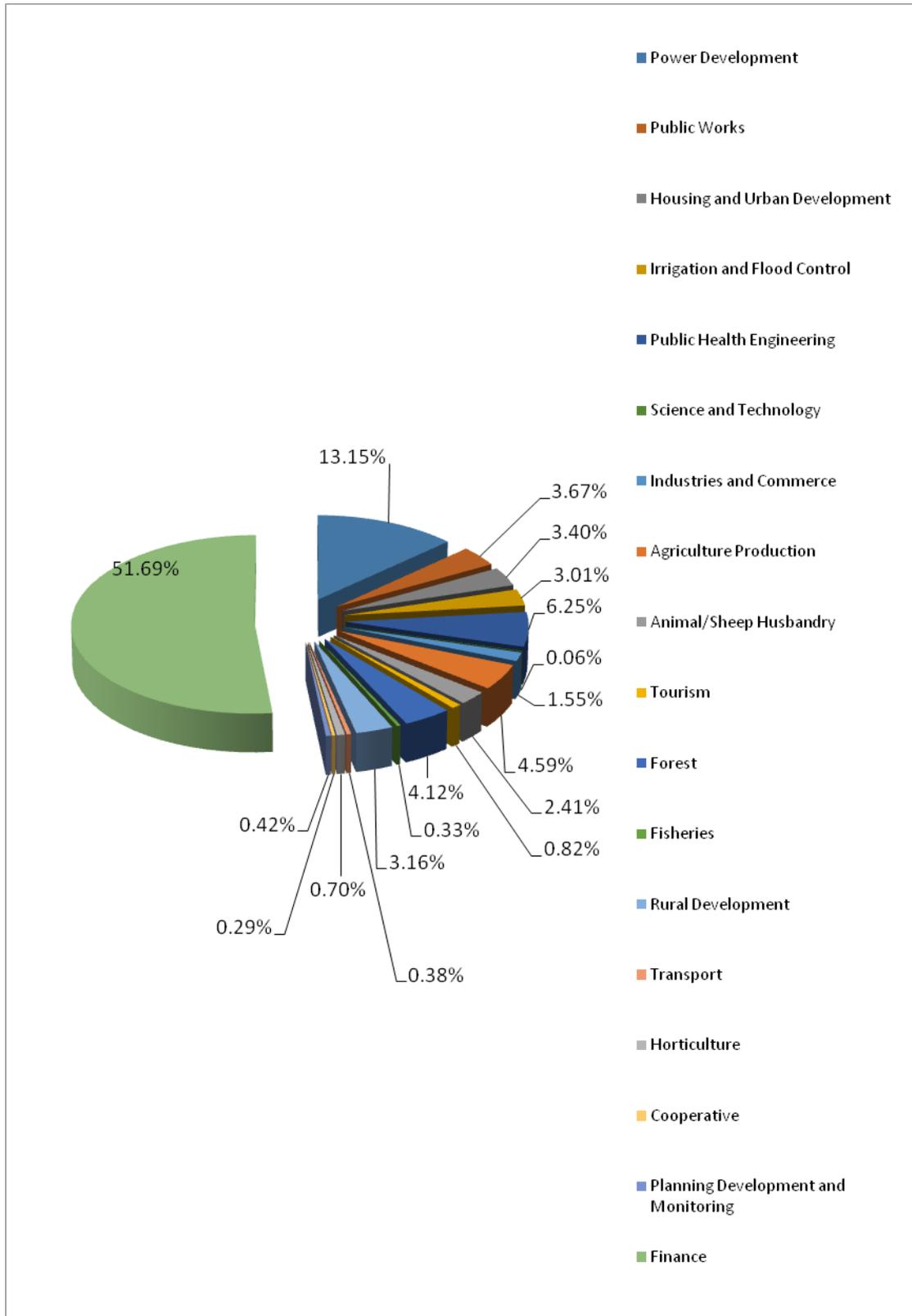
ग्राफ: 22

(%)



अवसंरचना और आर्थिक/वित्तीय सेक्दर:

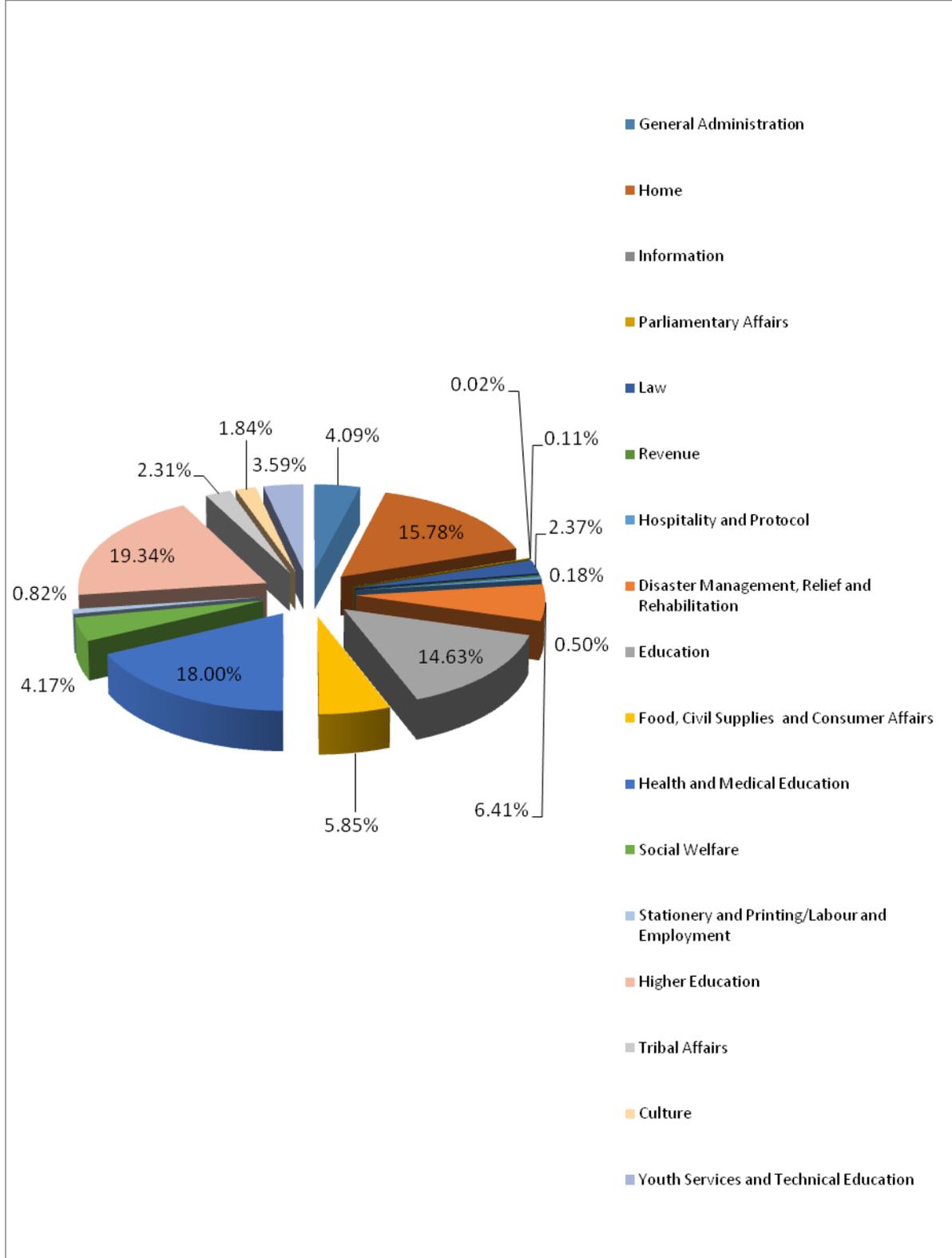
ग्राफ: 23



विभाग-वार समग्र पूंजीगत व्यय (%)

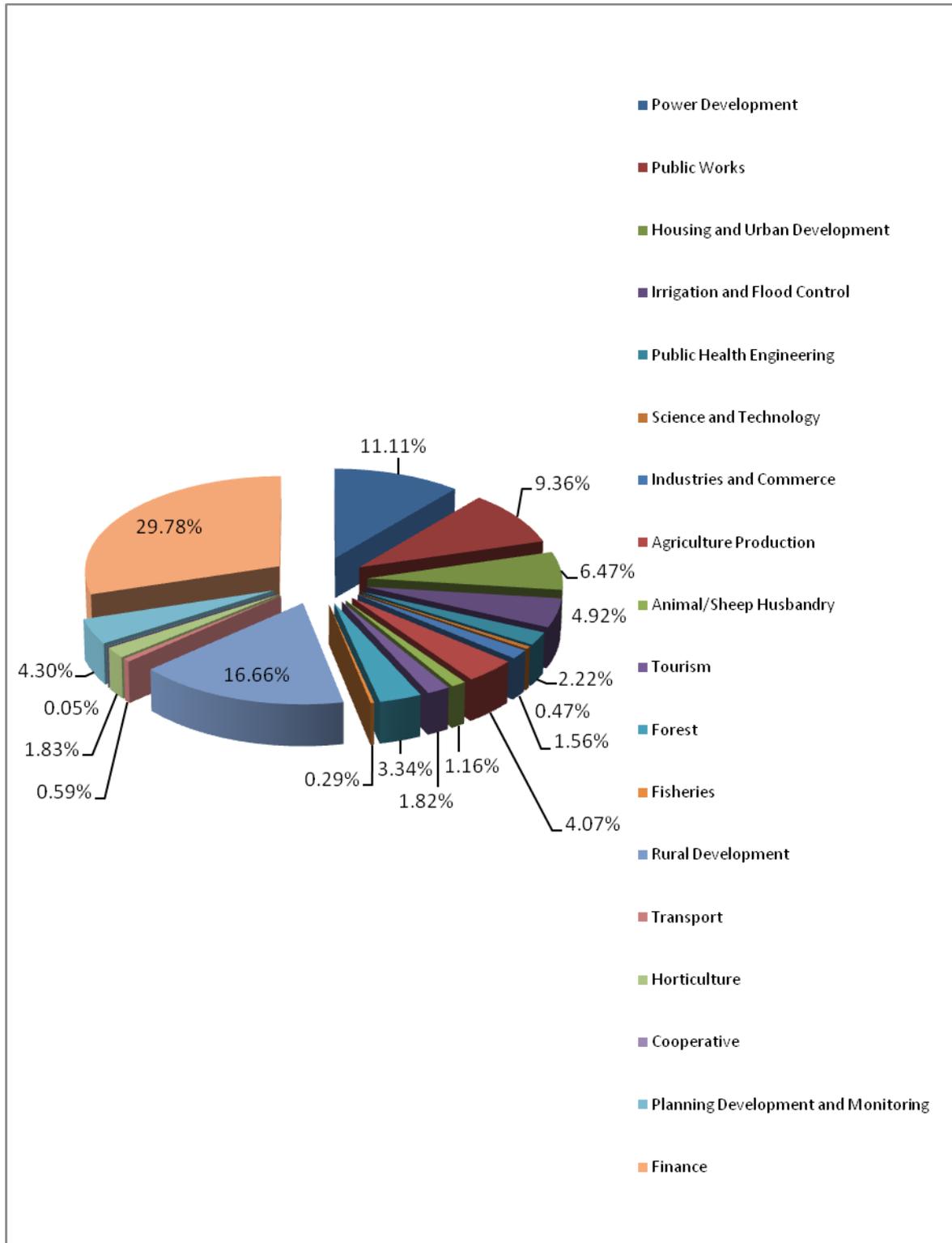
प्रशासनिक और सामाजिक सेक्टर:

ग्राफ: 24



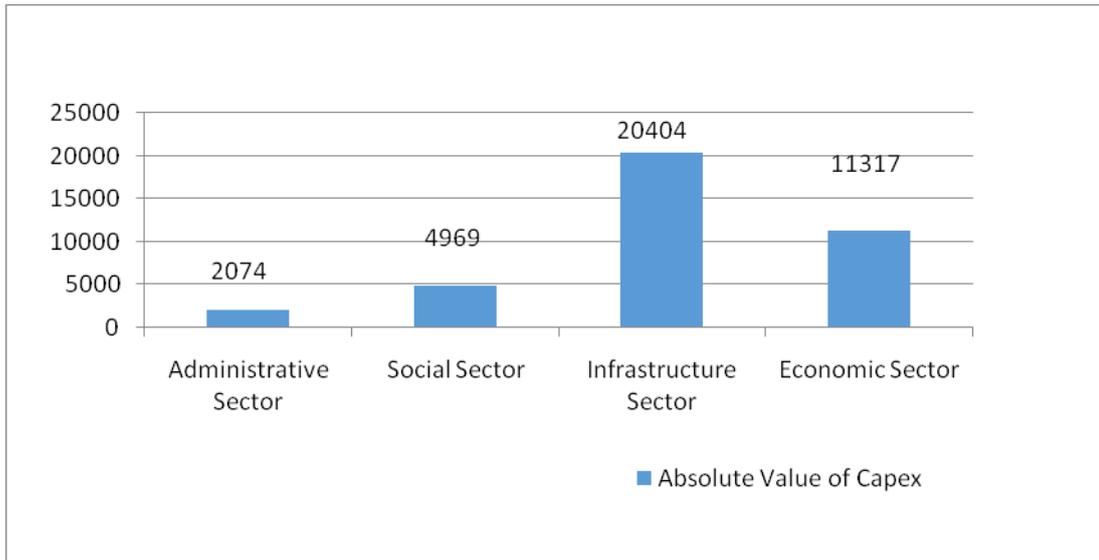
अवसंरचना और आर्थिक/वित्तीय सेकृदर:

ग्राफ: 25



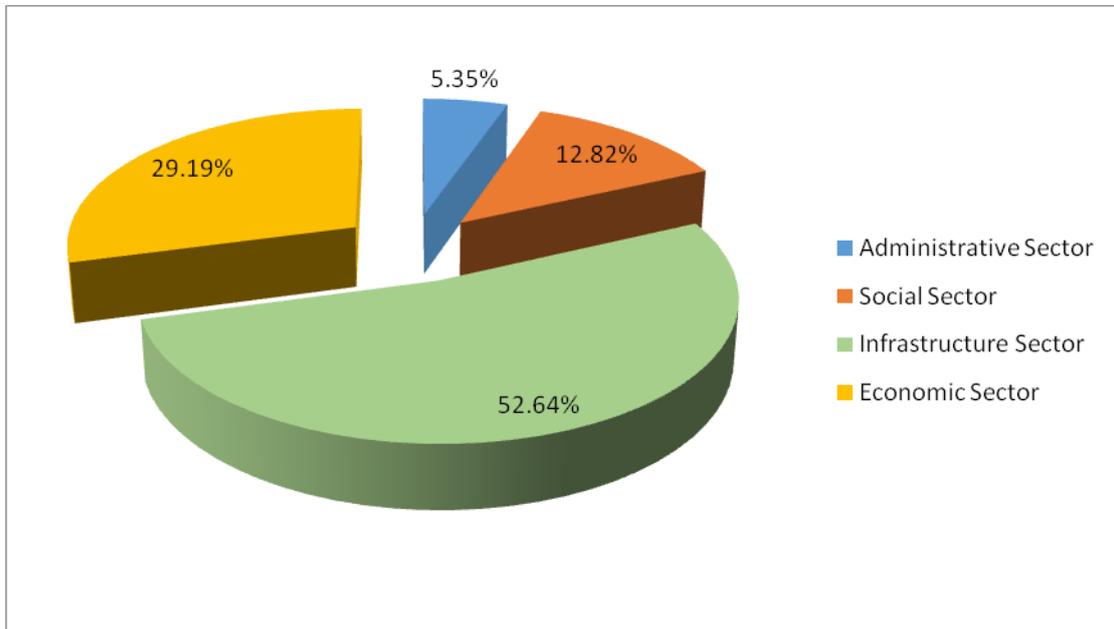
जीडीपी में सेक्टोरल निवेश का योगदान

ग्राफ: 26



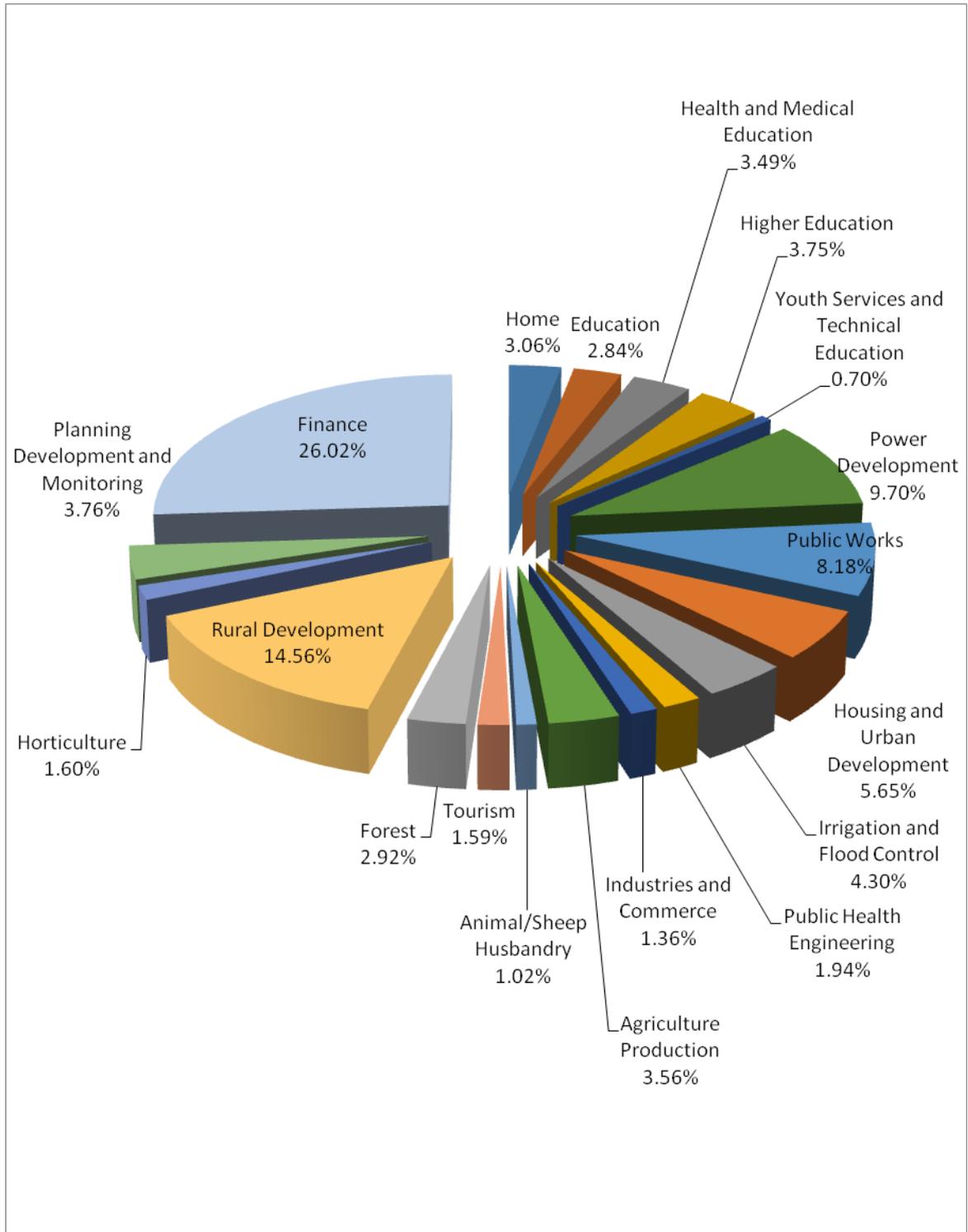
ग्राफ: 27

%



जीडीपी में विभाग-वार निवेश का प्रमुख योगदान

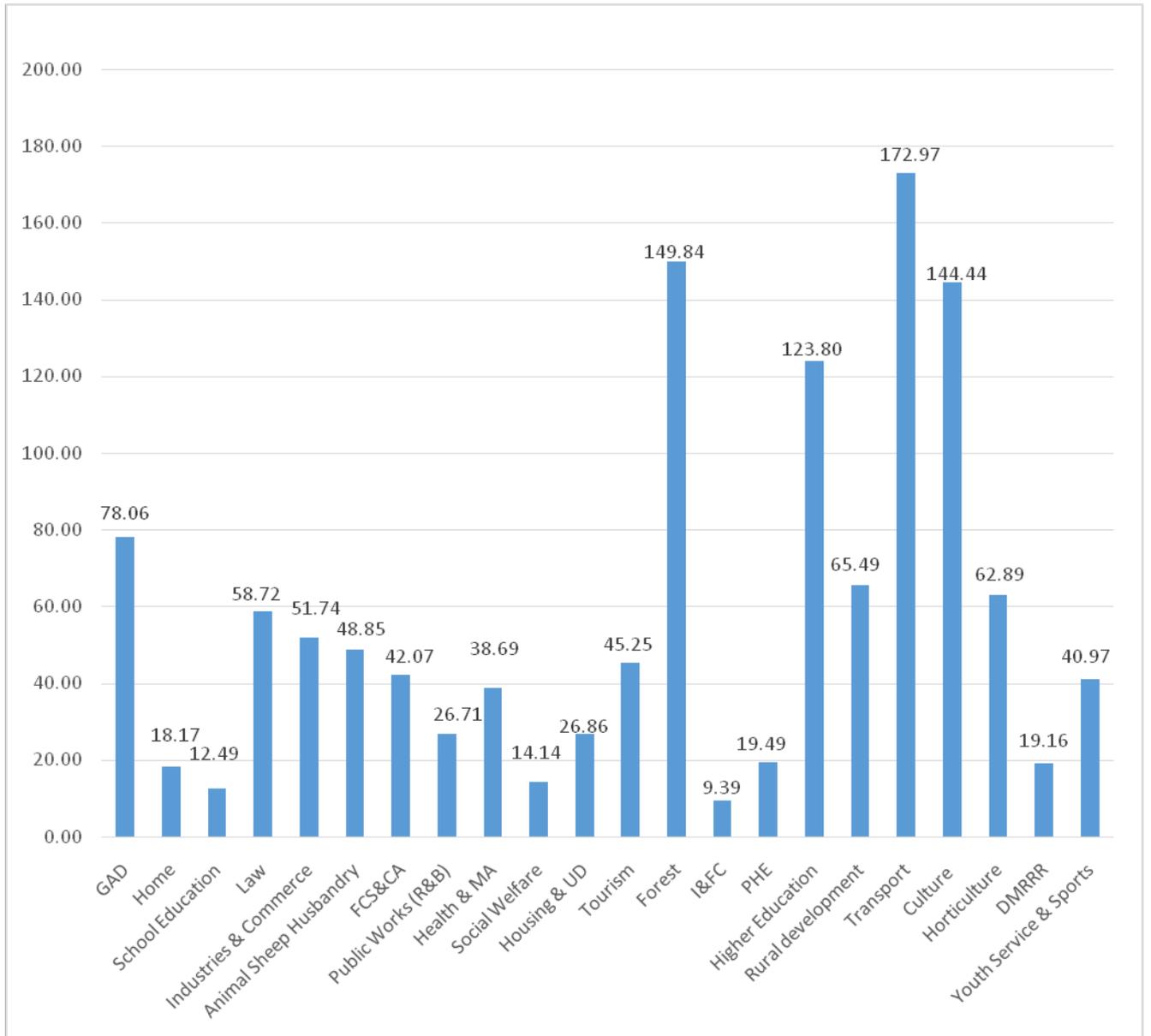
ग्राफ: 28



व्यय की बढ़ती प्रवृत्ति : राजस्व और पूंजीगत
(बजट अनुमान 2019-20 से बजट अनुमान 2020-21)

ग्राफ 29

%



तालिका 10: पिछले 11 वर्षों में ऋण की स्थिति

(करोड़ रुपए में)

वर्ष	आंतरिक ऋण	केंद्र सरकार से ऋण एवं अग्रिम	कुल लोक ऋण	बीमा और पेंशन निधि	भविष्य निधि	अन्य दायित्व*	कुल देयताएं	जीएसडीपी की तुलना में कुल देयता का प्रतिशत	
								मौजूदा मूल्यों पर जीएसडीपी	आधार वर्ष 2004-05
2008-09	13336	3135	16471	268	4485	3051	24275	42315	57
2009-10	15449	3144	18593	333	5113	4685	28724	48385	59
2010-11	**16535	2032	18567	358	6291	4756	29972	58073	52
								Base Year 2011-12	
2011-12	20789	1903	22692	384	8335	4845	36256	77945	47
2012-13	22796	1839	24635	454	9954	5205	40248	86537	47
2013-14	24715	1775	26490	505	11893	5758	44646	97400	46
2014-15	26525	1675	28200	602	14028	5484	48314	102681	47
2015-16	30452	1579	32031	671	16846	5798	55346	116102	48
2016-17	34018	1489	35507	775	18588	5803	60673	126230	48
2017-18	37418	1405	38823	909	20010	8462	68204	142292	48
2018-19	42222	1292	43514	974	25233	9340	79061	158688	50

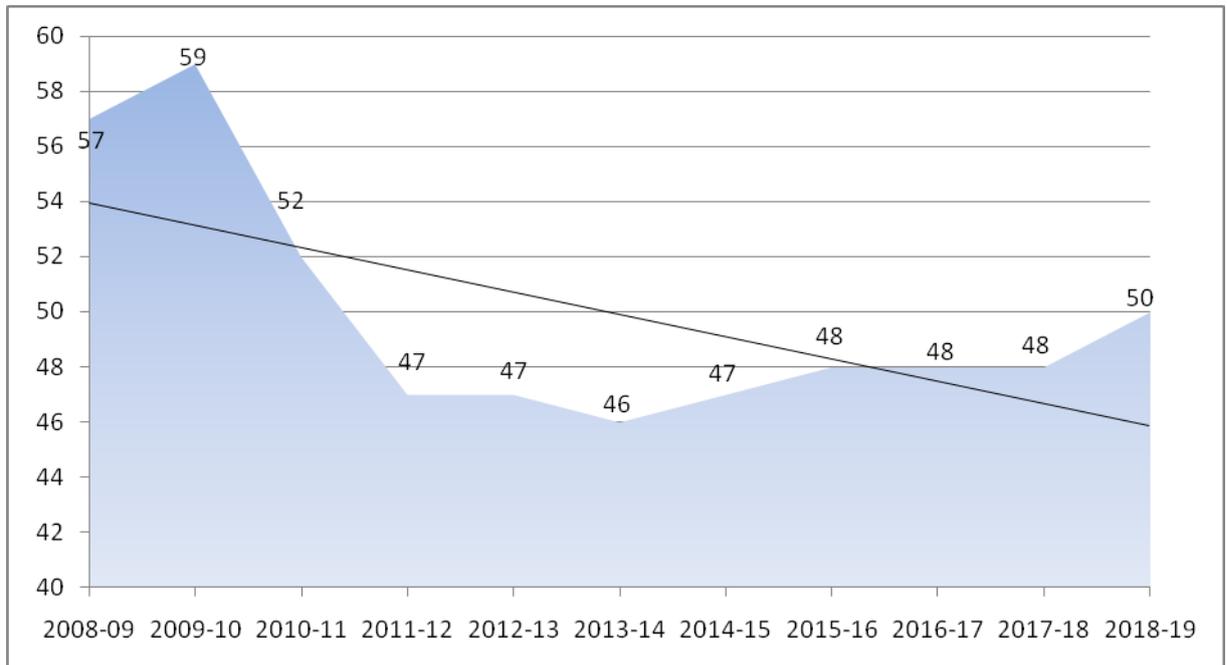
* स्थानीय निधियों की जमा राशि तथा अन्य निर्धारित निधि आदि जैसे ब्याज/ब्याज रहित दायित्व ।

** ओवर ड्राफ्ट की कमी के लिए 1300 करोड़ रुपए के एक - ऑफ डेब्ट को छोड़कर।

डीईबीटी/जीएसडीपी अनुपात

ग्राफ: 30

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में ऋण



बजट : विभिन्न घटक

बजट के तीन भाग हैं :

1. समेकित निधि
2. लोक लेखा
3. आकस्मिक निधि

समेकित निधि सभी 'सामान्य' बजट लेन-देनों के लिए श्रोत है, चाहे ये लेन-देन पूंजीगत, राजस्व अथवा ऋण की प्रकृति के हों। कर और कर-भिन्न राजस्व को समेकित निधि में दर्ज किया जाता है तथा समेकित निधि से वहन किए जाने वाला कोई व्यय विधान मण्डल द्वारा स्वीकृत होना चाहिए। 'प्रभारित' प्रकृति के व्ययों को भी समेकित निधि से वहन किया जाता है।

समेकित निधि के भी दो भाग होते हैं :

- क) राजस्व लेखा ; और
- ख) पूंजीगत लेखा।

राजस्व लेखे में वेतन, मजदूरी, रख-रखाव और मरम्मत, टेलीफोन व्यय, दिन-प्रतिदिन के कार्यालय से संबंधित व्यय तथा अन्य ऊपरी व्ययों जैसे रूटीन प्रशासन के संबंध में होने वाले व्यय शामिल होते हैं। परिसम्पत्तियों के सृजन से संबंधित व्यय, जिनमें अधिकांश (किंतु सभी नहीं) योजनागत व्यय शामिल होता है, पूंजीगत लेखे में कवर होता है।

राजस्व प्राप्तियां वे समस्त आय होती हैं जिनको देयता की अदायगी पर वहन नहीं किया जाता है। इनमें अपने स्वयं के संसाधनों के अतिरिक्त योजनाओं के वित्तपोषण तथा योजना-भिन्न अनुदानों के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान शामिल होते हैं।

पूंजीगत प्राप्तियों में आंतरिक ऋण, केंद्र से प्राप्त ऋण और निगमों, सहकारी समितियों आदि को अग्रिम रूप में दिए गए अपने स्वयं के ऋणों की वसूली शामिल होती है तथा इन्हें पूंजीगत लेखे में दर्ज किया जाता है। पूंजीगत लेखे के परिव्यय भाग में अपने स्वयं के निवेश परिव्यय और संवितरणों के सदृश्य व्यय होते हैं, जिनमें लोक ऋण की अदायगी तथा विभिन्न संस्थाओं को दिए गए ऋण और अग्रिम

शामिल होते हैं। इस प्रकार समेकित निधि के पूंजीगत और ऋण दोनों भाग पूंजीगत बजट के अंतर्गत आते हैं।

लोक-लेखा में वे निधियां शामिल होती हैं जिनका सरकार से संबंध नहीं है किंतु जिन्हें यह अन्वय संस्थाओं के लिए विश्वास के रूप में रखती है। इसमें कर्मचारियों की भविष्य निधि, आरक्षित एवं मूल्यहास निधि, नगर निगमों से प्राप्त जमा, पेंशन निधि आदि शामिल होंगे। इसे सही रूप में ऐसी निधि कहा जा सकता है जिनके लिए यह बैंकर के रूप में कार्य करता है।

आकस्मिक निधि अपने नाम के अनुसार आकस्मिक प्रयोग के लिए निधि होती है। इसे बजट में सामान्यतः जराक्रांत राशियों और अन्वय अप्रत्याशित आकस्मिक खर्चों के लिए शामिल किया जाता है। आकस्मिक निधि से व्यय मंत्रिमंडल की सहमति से ही किया जा सकता है और अतः इसमें यह फायदा है कि बजट प्रक्रिया तथा विधायी अनुमोदन से छूट मिल जाती है; तथापि इस प्रकार हुए व्यय के लिए बाद में विधानमंडल की मोहर लगवाना अनिवार्य होता है। आकस्मिक निधि की मौद्रिक सीमा में बजट प्रक्रिया के माध्यम से कुछ वर्षों बाद वृद्धि की जाती है।

परिभाषाएं :-

1. राजस्व प्राप्तियां वे सभी अदायगियां होती हैं जिनको देयता की अदायगी पर वहन नहीं किया जाता है। इनमें अपने स्वयं के राजस्व (कर और कर-भिन्ना), केंद्रीय करों में हिस्सा, केंद्र सरकार से सांवधिक और गैर सांवधिक अनुदान शामिल होते हैं। इनमें ब्याज तथा सरकार द्वारा किए गए निवेश पर लाभांश भी शामिल होता है।
2. राजस्व व्यय में वेतन और मजदूरी, पेंशन, ब्याज के भुगतान, रख-रखाव और मरम्मत जैसे सभी रूटीन प्रकार के प्रशासनिक व्यय शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें किराये के भुगतान, कर और अन्वय स्थापना संबंधी व्यय जैसे ऊपरी खर्च भी शामिल होते हैं।
3. पूंजीगत प्राप्तियों में बाजार से लिए गए ऋण, आरबीआई और अन्वय संस्थाओं से ली गई उधार राशियां, एनएसएसएफ को जारी की गई विशेष प्रतिभूतियों से प्राप्तियां और अपने स्वयं के ऋणों की वसूली तथा सार्वजनिक क्षेत्र के

उपक्रमों में सरकार की हिस्सेदारी के विनिवेश से प्राप्त आय शामिल होती है।

4. पूंजीगत व्यय परिसम्पत्तियों के सृजन से संबंधित होता है। यह भूमि, भवन, संयंत्र और मशीनरी तथा अन्य सभी भौतिक अवसंरचना जैसी स्थाई परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण पर निवेश परिव्यय के सुदृश होता है। ऐसे संवितरणों, जिनमें लोक ऋण तथा विभिन्न संस्थाओं को दिए गए ऋण और अग्रिम की अदायगी शामिल होती है, को भी पूंजीगत व्यय के रूप में लिया जाता है।
5. विविध पूंजीगत प्राप्तियों को गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियों के रूप में माना जाता है।
6. प्राथमिक घाटा वह राजकोषीय घाटा होता है जो राजस्व घटक के अंतर्गत ब्याज के भुगतान तथा ऋण की अदायगी का निवल होता है।
7. राजस्व घाटा, राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है।
8. बजट घाटा कुल व्यय और कुल प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है तथा मौद्रिकरण की अनुपस्थिति में इसे जीरो होना होता है। मोनेटाइजेशन रूट तक सरकार की कोई पहुंच नहीं होती है। इनके मामले में बजट घाटा जीरो होना चाहिए।
9. राजकोषीय घाटा, कुल व्यय और राजस्व प्राप्तियों, ऋणों और अग्रिमों तथा अन्य गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियों की वसूली के बीच का अंतर होता है।
10. वित्त विधेयक में नए कर लगाने, मौजूदा कर ढांचे में आशोधन अथवा मौजूदा कर ढांचे को विधान मण्डल द्वारा अनुमोदित अवधि के बाद जारी रखे जाने के संबंध में सरकार के प्रस्ताव शामिल होते हैं।